प्यारी दुनिया

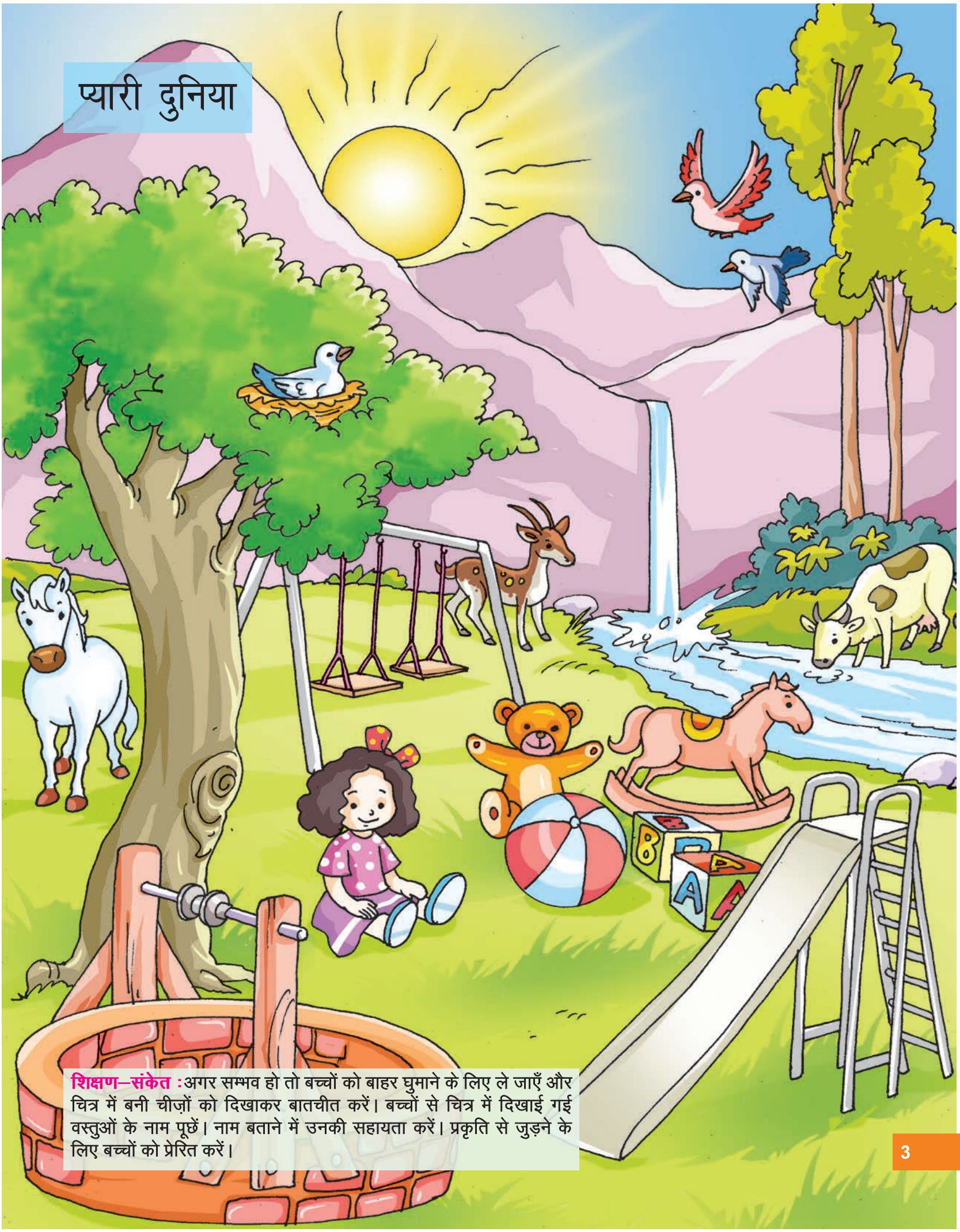

शिक्षण–संकेत : अगर सम्भव हो तो बच्चों को बाहर घुमाने के लिए ले जाएँ और चित्र में बनी चीज़ों को दिखाकर बातचीत करें। बच्चों से चित्र में दिखाई गई वस्तुओं के नाम पूछें। नाम बताने में उनकी सहायता करें। प्रकृति से जुड़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

ज़ुकाम

कविता

मनोरंजक कविता पढ़िए
और आनंद लीजिए –

बिल्ली मौसी को इक दिन
हुआ बहुत तेज़ ज़ुकाम ।
दवा माँगे वह चूहे से
जिससे मिले जल्दी आराम ।

चूहा बोला सुन लो मौसी
इक नुस्खा ये बेजोड़ ।
कभी नहीं होगा ज़ुकाम जो
चूहे खाना दो तुम छोड़ ।

शिक्षण-संकेत : आनंद लेते हुए कविता पढ़ाएँ। वैसे तो बिल्ली चूहे को खाती है, लेकिन कष्ट के समय वह शत्रुता भूलकर उसी से सहायता माँगती है।

केवल पढ़ने के लिए

कंजूस आदमी

चित्रकथा

कई बार मनुष्य छोटी-छोटी कंजूसी से खुश हो जाता है, लेकिन कंजूसी से कभी-कभी बड़ा नुकसान भी हो जाता है।

एक आदमी नारियल बेच रहा है। उसके पास एक ग्राहक आता है।

ग्राहक कुछ दूरी पर नारियल की दूसरी दुकान पर जाता है।

ग्राहक और आगे अन्य नारियल विक्रेता की दुकान पर जाता है।